विद्या भवन गोविंदराम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय, उदयपुर

न्यूज़ लेटर

मई, 2024

प्राचार्य की कलम से :

एक अध्यापक होना आपको विशेष बनाता है। आप एक प्रेरणा स्रोत हैं। अगर हम विनम्र है तो कहने की जरूरत नहीं की आप भी विनम्र बने। रोल मॉडल अपना क्लोन बनाते हैं अगर कोई कहता है कि मेरे जाने के बाद ऐसा नहीं हो सकेगा, मूल्य न होंगे तो इसका मतलब है कि एक अध्यापक होने के नाते आप असफल हैं। आप किसी विद्यार्थी का रोल मॉडल नहीं बन सके।

एक अध्यापक को बुद्धिमान, समर्पित, सीखने वाला और खुशमिज़ाज होना बहुत जरूरी है। कक्षा में हमेशा सकारात्मक उर्जा का प्रवाह होना चाहिए। उसे अपने प्रेम व गुस्से के बीच संतुलन की जरूरत होती है। अपने विद्यार्थी को स्वीकारना तथा उसको सम्मान देना, उसको सीखने में मदद करने की ओर पहला कदम है। एक अच्छा सुनने वाला बनना भी जरूरी है। बच्चो की वे बातें सुनने की आदत डालें जो वे सुनाना चाहते हैं। वे नहीं जो आप सुनना चाहते हैं। अध्यापक समाज का ही हिस्सा है। उसके अंदर वो सारी कमियां या बुराइयां हो सकती है जो कि उस समाज में मौजूद हैं। इसलिए उसे अपने आप पर कार्य करने की उतनी जरूरत है जितनी उसको अपने विद्यार्थियों पर। जो परिवर्तन विद्यार्थियों के व्यवहार में चाहते हैं वे सबसे पहले अध्यापक में हो। इसके लिए दिमाग में पैदा होने वाले विचारों को भटकाव से बचाकर सही दिशा में चेनेलाइज़ करना होगा।

अध्यापक का काम सूचनाओं से भरा दिमाग बनाना नहीं है, बल्कि उसका काम इस तरह से सोचने वाला इंसान तैयार करना है जो संवेदनशीलता के साथ तर्कपूर्ण ढंग से उचित निर्णय कर सके, चुनौतिपूर्ण दुनिया में अपनी पूरी क्षमता के साथ अपना सर्वोत्तम दे सके। अध्यापक गौर करें कि "जो मैं कर रहा हूं वो सही होना चाहिए। जो मुझे मिल रहा है वो खुद–ब–खुद सही हो जाएगा। यदि जो मुझे मिल रहा है उस पर फोकस हो जाऊं, तो जो कुछ भी मैं कर रहा हूं उससे भटक जाऊंगा।"

–डॉ. फरज़ाना ईरफान

संपादन

सलाहकार– डॉ. जितेंद्र तायलिया, डॉ. अनुराग प्रियदर्शी

प्राचार्य– डॉ. फरज़ाना ईरफान

संपादक – डॉ. गिरीश शर्मा

प्रूफ़रीडिंग – डॉ. जगदीश चंद्र आमेटा

ले–आउट, डिजाईनिंग – चिराग धुप्या

विद्या भवन गोविन्दराम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय,
डॉ. मोहनसिंह मेहता मार्ग, देवाली उदयपुर, राजस्थान

ई–मेल vbcteudr@gmail.com, 0294–2451814

Website-www.vidyabhawan.in

विश्वविद्यालयी टीम द्वारा निरीक्षण

4 मई, 2024। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की टीम ने महाविद्यालय का निरीक्षण किया। टीम में प्रो. आरती प्रसाद एवं डॉ. माया चौधरी थीं। उन्होंने कक्षाओं, प्रयोगशालाओं तथा संसाधनों का निरीक्षण किया। पुस्तकालय में निरीक्षण के दौरान वहां अध्ययन कर रहे छात्राध्यापकों से भी वे रूबरू हुए।

मूल से जुड़ने की बात करती है नई शिक्षा नीति– प्रो. संपदानंद मिश्रा

13 मई, 2024। महाविद्यालय में स्वर्गीय पन्नालाल श्रीमाली स्मृति व्याख्यान का आयोजन हुआ। आयोजन महाविद्यालय एवं स्नातक परिषद के तत्वावधान में हुआ। व्याख्यान का विषय ''वेदों से राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 तक भारतीय शिक्षा के दार्शनिक आधार'' था। मुख्य वक्ता श्रीहुड विश्वविद्यालय, सोनीपत, हरियाणा के निदेशक प्रो. संपदानंद मिश्र थे। नई शिक्षा नीति में पर चर्चा करते हुए प्रो. मिश्र ने कहा कि नई शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा को केंद्र में रखा गया है। पूर्व की नीतियों में जहां विदेशी प्रभाव ज्यादा था जो हमें भाषा, संस्कृति एवं सभ्यता से दूर करती थीं, वहीं नई शिक्षा नीति–2020 मानवीय मूल्यों के बोध की बात करती है। यह नीति मूल से जुड़ने, स्व का बोध करने पर जोर देती है। जब व्यक्ति स्वबोध में स्थित होगा तभी वह स्वस्थ समाज निर्माण में सहायक होगा। वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में हम वास्तविक सुख का अनुभव नहीं कर पाते। उन्होंने कहा कि वास्तविक शांति प्रकृति से जुड़ते हुए स्वयं के भीतर महसूस करने से प्राप्त होती है। कोई शिक्षण संस्था अथवा पद्धति इसे सिखा नहीं सकती। उन्होंने व्यक्तिगत और सामूहिक पूर्णता पर चर्चा करते हुए कहा कि व्यक्ति पहले स्वयं आत्म निर्भर और स्वस्थ्य बनें तभी दूसरों की मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि परावलंबी होकर भारत कभी विश्व गुरु नहीं बन सकता। हमें तकनीकी को विवेक बुद्धि से विचार कर अपनाना होगा। प्रो. मिश्र ने समृद्ध भारतीय भाषाओं का महत्त्व बताते हुए कहा कि अपनी भाषा में पढ़ना, पढ़ाना, विचार करना शुरू करेंगे तब मौलिक विचार शक्ति अपने आप समर्थ होगी। मूल्यों से जुड़ेंगे, मौलिकता को प्रधानता देंगे, मूल्यों को जीवन का आधार बनाएंगे तब हम नई शिक्षा नीति से जो हासिल करना चाहते हैं वो कर पाएंगे। उन्होंने भारतीय भाषा की समस्या का मूल भारतीय भाषा के प्रति प्रेम का अभाव बताया। उन्होंने कहा कि भाषा के प्रति जिन्हें प्रेम है वे सभी भाषाओं को अपना लेंगे।

प्रारंभ में महाविद्यालय की प्राचार्य एवं स्नातक परिषद की संरक्षक डॉ. फरज़ाना ईरफान ने मुख्य वक्ता का स्वागत किया और परिचय दिया। संचालन डॉ. विद्या मेनारिया ने किया। इस मौके पर श्री पन्नालाल श्रीमाली के परिवारजन सहित पूर्व स्नातक परिषद के पदाधिकारी एवं सदस्य भी उपस्थित थे।

इंटर्नशिप पूर्ण

16 मई, 2024। महाविद्यालय के द्वितीय वर्ष के बी.एड. विद्यार्थियों की तीन महीने की इंटर्नशिप पूर्ण हुई। विश्वविद्यालय के पाठ्क्रम के अनुसार विद्यार्थियों ने अपने गृह जिले के विद्यालयों में ये इंटर्नशिप पूर्ण की। वहां उन्होंने अपने दोनों शिक्षण विषयों को पढ़ाया, विद्यालय अवलोकन किया और दैनिक रिपोर्ट भी बनाई। इसके साथ ही उन्होंने अपने सत्रीय कार्य पूर्ण किए और दस्तावेजों का अध्ययन भी किया।

सैद्धांतिक कक्षाएं पुनः प्रारंभ

16 मई, 2024। महाविद्यालय के द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों की इंटर्नशिप पूर्ण होने के साथ ही उनकी सैद्धांतिक कक्षाएं लगी। संकाय सदस्यों ने उनके बचे हुए पाठ्यक्रम का शिक्षण प्रारंभ किया। उल्लेखनीय है कि बी.एड. प्रथम वर्ष की कक्षाएं नियमित चल रही हैं।

इंटर्नशिप के दस्तावेज जमा

16 मई, 2024। बी.एड. द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों की इंटर्नशिप पूर्ण होने के बाद उनके विभिन्न दस्तावेजों को अपने–अपने ट्यूटोरियल में जमा किए गए। इनमें इंटर्नशिप पूर्णता प्रमाण पत्र एवं ग्रेडिंग शीट शामिल है। इसके साथ ही ट्यूटोरियल में उनके इंटर्नशिप के कार्यों को जांचा गया तथा साक्षात्कार की तैयारी के बारे में बताया गया। ट्यूटोरियल में इन विद्यार्थियों के सत्रीय कार्य भी जमा किए गए।

आंतरिक सत्रीय कार्य का मूल्यांकन

16 मई, 2024। एम.एड. द्वितीय वर्ष के आंतरिक सत्रीय कार्य का मूल्यांकन एवं मौखिक परीक्षा का अवलोकन किया गया। एम.एड. द्वितीय वर्ष के सभी विद्यार्थियों ने इसमें भाग लिया। यह प्रक्रिया तीन दिन चली। इन विद्यार्थियों का आंतरिक परीक्षण का भी आयोजन हुआ।

इग्नू बी.एड. कार्यशाला प्रारंभ

18 मई, 2024। इग्नू बी.एड. प्रथम वर्ष की 12 दिवसीय कार्यशाला महाविद्यालय में प्रारंभ हुई। कार्यशाला में प्राथमिक स्तर के शिक्षक भाग ले रहे हैं। समन्वयक डॉ. अख्तर बानो ने बताया कि कार्यशाला में प्रत्येक दिन 4 सत्रों का आयोजन होता है तथा प्रत्येक सत्र 90 मिनट का होता है। कार्यशाला के दौरान शिक्षकों ने इकाई योजना, पाठ योजना, ब्लू प्रिंट आदि बनाना सीखा। शिक्षकों ने अपने कार्यों का प्रस्तुतीकरण भी किया। शिक्षकों ने संवादात्मक तरीके से सक्रिय रूप से भाग लिया।

इग्नू बी.एड.द्वितीय वर्ष कार्यशाला

21 मई, 2024। महाविद्यालय के इग्नू स्टडी सेंटर द्वारा इग्नू बी. एड, द्वितीय वर्ष की कार्यशाला 21

मई को प्रारंभ हुई। कार्यशाला समन्वयक डॉ. मनीषा शर्मा के मार्गदर्शन में राजस्थान राज्य के विभिन्न जिलों के 61 विद्यार्थियों ने भाग लिया। यह कार्यशाला 12 दिन चली। प्रत्येक दिन कार्यशाला का प्रारंभ प्रार्थना सभा, छात्र अध्यापक प्रस्तुति एवं गत दिवस के फीडबैक पर आधारित प्रतिवेदन द्वारा किया गया। इसके पश्चात् प्रतिदिन डेढ़ घंटे के चार सत्रों का आयोजन हुआ जिसमें पाठ्यचर्या का संदर्भीकरण, आकलन क्यों और कैसे किया जाए? विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों की समझ, समावेशी विद्यालय के निर्माण हेतु संसाधन, इंटर्नशिप के दौरान किए गए क्रियात्मक शोध प्रतिवेदन का प्रस्तुतीकरण, जेंडर आधारित सत्र, सहयोगपूर्ण अधिगम विधियां, तनाव मुक्ति की तकनीकियां, स्व की समझ, अभिनय द्वारा पर्यावरणीय मुद्दों को समझना, शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में दृश्य कला का समावेश, इंटर्नशिप कार्य के दौरान किए गए क्रियाकलापों के प्रतिवेदन का आकलन, वृत्तिक क्षमता के वृद्धि हेतु पाठ्यक्रम, आदि पर सत्रों का आयोजन हुआ। विभिन्न आकादमिक काउंसलर ने अपने सत्रों को अंतः क्रियात्मक एवं सहयोगात्मक विधि को अपनाते हुए संचालित किया। इन सत्रों में विभिन्न समूह कार्यों के द्वारा विषय वस्तु पर संभागियों की समझ विकसित करने का भी प्रयास किया गया। इन समूह कार्यों का प्रस्तुतीकरण समूह के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। कार्यशाला की संपूर्ण प्रक्रिया इन शिक्षक विद्यार्थियों के स्वयं करके सीखने में महत्त्वपूर्ण रूप से सहयोगी रही। ये अनुभव उनके आगे के अध्यापक जीवन में महत्त्वपूर्ण सिद्ध होंगे।

'स्वबोध' की मौखिक एवं प्रायोगिक परीक्षा

21 मई, 2024। महाविद्यालय में शिक्षा स्नातक (बी.एड. द्वितीय वर्ष) के विद्यार्थियों का स्वबोध (अण्डरस्टेडिंग द सेल्फ) विषय की मौखिक एवं

प्रायोगिक परीक्षाएं हुईं। यह आंतरिक मूल्यांकन था। तीन दिवसीय इस मूल्यांकन में प्रतिदिन 60 छात्राध्यापकों को नामांकित किया गया। इस दौरान छात्राध्यापकों से विषय संबंधित संप्रत्ययों– यथा स्वबोध, योग, मनोवैज्ञानिक परीक्षण, सत्रीय कार्य और फिल्ड वर्क से संबंधित प्रश्न किए गए। छात्राध्यापकों ने आसन और प्राणायाम में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। कक्षा के कंवीनर डॉ. खीमाराम कॉक तथा परीक्षक डॉ. जगदीश चंद्र आमेटा और बीना लौहार थीं।

सत्रीय कार्य जांच एवं मूल्यांकन

25 मई, 2024। बी.एड. द्वितीय वर्ष का सत्रीय कार्य जांच एवं मूल्यांकन कार्यक्रम आयोजित हुआ। विद्यार्थियों ने 17 एवं 18 मई को अपने ट्यूटोरियल समूहों में विभिन्न विषयों के सत्रीय कार्य जमा करवाएं। प्राध्यापकों ने इन सत्रीय कार्यों को जांच कर आवश्यक फिडबैक दिया। जांच के उपरांत विद्यार्थियों ने सत्रीय कार्य सुधार हेतु 24 एवं 25 मई को पुनः प्राप्त किए। विद्यार्थियों द्वारा फिडबैक के आधार पर अपने सत्रीय कार्यों में संशोधन एवं आवश्यक सुधार कर इसे पुनः जमा करवाना सुनिश्चित किया गया।

एसयूपीडब्ल्यू का डिफाल्टर राउंड

27 मई, 2024। महाविद्यालय में डिफाल्टर राउंड के तहत बी.एड. एवं एम.एड. प्रथम वर्ष के छह विद्यार्थियों के लिए साप्ताहिक समाजोपयोगी उत्पादक कार्य शिविर लगा। प्रारंभ में शिविर का

एक दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम हुआ। शिविर प्रभारी डॉ. खीमाराम कॉक ने सामुदायिक गतिविधियों, सर्वे कार्य एवं रचनात्मक कार्यों के सम्बन्ध में छात्रों को बताया। छात्रों ने "सेवापूर्व एवं सेवारत शिक्षकों की समायोजन की वस्तुस्थिति का अध्ययन" विषय पर शोध करने हेतु दत्त संकलन का कार्य किया। डॉ. फरजाना ईरफान, डॉ. जेहरा बानू एवं डॉ. विद्या मेनारिया ने दत्त संकलन के पश्चात दत्तो का विश्लेषण करवाया तथा डॉ. मनीषा शर्मा एवं डॉ. मालचंद काला ने आरेख एवं चार्ट बनवाए। डॉ. मुकेश सुखवाल ने छात्रों से पौधारोपण हेतु गड्ढे तैयार करवाए। शिविर के दौरान डॉ. मीनाक्षी शर्मा एवं बीना लोहार ने छात्रों से "बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट" के तहत विभिन्न गुलदस्ते एवं फोटो फ्रेम का निर्माण करवाया। अंतिम दिन छात्रों ने प्रार्थना सभा में शिविर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

इग्नू प्रथम वर्ष की कार्यशाला संपन्न

29 मई, 2024। महाविद्यालय में आयोजित 12 दिवसीय इग्नू बी.एड. प्रथम वर्ष की कार्यशाला संपन्न हुई। समापन समारोह की मुख्य अतिथि इग्नू रिजनल सेन्टर जोधपुर की अतिरिक्त निदेशक डॉ. रूपाली श्रीवास्तव थीं। इस मौके पर उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला में संभागियों ने जो कुछ भी सीखा है उसे विद्यालयों में जा कर साझा करें। उन्होंने संभागियों से उनके सत्रीय कार्य, इंटर्नशिप के अनुभव पर चर्चा की तथा संभागियों द्वारा पूछे गए सवालों एवं उनको आ रही समस्याओं का समाधान किया। महाविद्यालय के इग्नू समन्वयक डॉ. मनीषा शर्मा एवं सह समन्वयक डॉ. अख्तर बानों ने भी संबोधित किया। संभागियों ने कार्यशाला के अनुभव सुनाए एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

दो पुस्तकों में अध्याय प्रकाशित

29 मई, 2024। महाविद्यालय की प्राध्यापिका डॉ. विद्या मेनारिया के दो पुस्तकों में दो अध्याय प्रकाशित हुए। पहला अध्याय 'पर्यावरण–नीति निर्णय, न्याय और पर्यावरण' विषयक था जो 'पर्यावरण का समाजशास्त्र' पुस्तक में प्रकाशित हुआ। दूसरा अध्याय 'प्रयोगशालाएं हुईं समाज से मुखातिब' विषयक था जो 'इमर्जिंग टेक्नोलॉजिस इन कॉमर्स, मैनेजमेंट एंड सोशल साईंस' पुस्तक में प्रकाशित हुआ। डॉ. विद्या मेनारिया ने मई महीने में प्रो. एस.एल. दोशी मेमारियल लेक्चर, प्रो. रवीन्द्रनाथ व्यास तृतीय स्मृति व्याख्यान 'संवैधानिक जनतंत्र और बहुमत की तानाशाही' विषयक तथा प्रो. पी.एल. श्रीमाली स्मृति व्याख्यान और 'टेक्नोलॉजिकल एडवांसमेंट इन एज्यूकेशनल सिस्टम, डिजिटल एज्यूकेशन एंड न्यू प्रोविजन्स' विषयक राष्ट्रीय वेबिनार में भागीदारी की।

इंटर्नशिप की मौखिक परीक्षा

30 मई, 2024। महाविद्यालय में बी.एड. द्वितीय वर्ष की इंटर्नशिप की मौखिक परीक्षा आयोजित

की गई। मौखिक परीक्षा के लिए दो ट्यूटोरियल समूहों को शामिल करते हुए एक–एक समूह बनाया गया है तथा उस समूहों के दोनों ट्यूटोरियल प्रभारियों ने मिल कर मौखिक परीक्षा ली। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों के इंटर्नशिप संबंधी दस्तावेजों की जांच की और आवश्यक सुझाव एवं फिडबैक दिए। मौखिक परीक्षा में बी. एड. द्वितीय वर्ष के सभी विद्यार्थियों ने भाग लिया। विश्वविद्यालयी परीक्षा के बाद इन विद्यार्थियों की बाह्य मौखिक परीक्षा होगी जो विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित होगी। विद्यार्थियों के सत्रीय कार्य भी जमा किए गए।

हॉबी क्लासेज़

29 मई, 2024। महाविद्यालय में हॉबी क्लासेज़ का आयोजन 15 मई से प्रारंभ हुई। 10 विद्यार्थियों ने इसमें अपना रजिस्ट्रेशन करवाया है कुछ विद्यार्थी जुलाई से जुड़ेंगे। इसमें विद्यार्थियों को पेंटिंग, पेसिंल स्केच, कलर स्केच और मेहंदी सिखाई जा रही है। कक्षाओं का संचालन महाविद्यालय की प्राध्यापिका डॉ. प्रीति गहलोत एवं बीना लौहार द्वारा किया जा रहा है।

डेंटल चेकअप शिविर

30 मई, 2024। सेवा प्रसार विभाग के तत्वावधान में डेंटल चेकअप शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पेसिफिक डेंटल कॉलेज की टीम ने महाविद्यालय के विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों सहित 82 लोगों के दांतों की जांच की। टीम ने उन्हें दांतों की सफाई, ब्रश करने का सही तरीका एवं दांत संबंधी समस्याओं एवं उसके उपचार की जानकारी दी तथा तंबाकू सेवन से होने वाली हानियों के बारे में बताया।

एम.एड़. शोध आकल्प कार्यशाला

31 मई, 2024। एम.एड. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों की शोध आकल्प प्रस्तुतीकरण कार्यशाला हुई। कार्यशाला में विद्यार्थियों ने अपने शोध प्रारूप का संकाय सदस्यों के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया। संकाय संदस्यों ने उनके प्रस्तुतीकरण पर आवश्यक फिडबैक दिया।